एमएमयूटी में ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट की स्थापना को मिली मंजूरी

- विश्वविद्यालय में आयोजित वित्त समिति की बैठक में लिए गए कई निर्णय
- धन आवंटन के बाद शुरू होगा ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट का निर्माण कार्य

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट की स्थापना की औपचारिक अड़चन समाप्त हो गई है।इसकी स्थापना के लिए विश्वविद्यालय की वित्त समिति की मंजूरी प्राप्त हो गई है। शुक्रवार को कुलपति प्रो. जेपी सैनी की अध्यक्षता में हुई वित्त समिति की बैठक में यह मंजूरी मिली। इसके साथ कई अन्य प्रस्तावों को वित्त समिति की स्वीकृति प्राप्त हुई।

ग्रीन हाइड्रोजन प्रोजेक्ट के लिए यूपीनेडा ने 50 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसमें से लगभग 35 करोड़ रुपये एमएमयूटी और 15 करोड़ रुपये बीएचयू में खर्च होने हैं। प्रोजेक्ट समन्वयक प्रो. वीएल गोले के अनुसार ग्रीन हाइड्रोजन के दो प्लांट विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित होने हैं। शुरुआत में 200 किलो क्षमता का प्लांट लगाया जाएगा।

इससे प्रतिदिन 10 किलो हाइड्रोजन निकलेगा। इसकी सफलता के बाद बड़ा प्लांट स्थापित किया जाएगा। प्लांट का डिजाइन बनकर तैयार हो गया है। वित्त समिति से मंजूरी मिलने के बाद अब यूपीनेडा की ओर से बजट आवंटित होने का इंतजार रहेगा। बजट मिलते ही कार्य शुरू होगा। बीते दिनों विश्वविद्यालय में बिल्डिंग वर्क्स कमेटी की बैठक आयोजित हुई थी। उसमें कई प्रस्तावों पर सहमति बनी थी। वित्त समिति ने उन सभी प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान कर दी।

यह और अन्य खबरें देखें-
https://www.jagran.com/local/uttar-pradesh_gorakhpur-city-news-hindi.html